RAJYA SABHA

Wednesday, 21st August 1957

The House met at eleven of the clock, MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

*132 and *133. *[Withdrawn.]*

CHARGES OF CORRUPTION AGAINST THE CHAIRMAN OF DAMODAR VALLEY CORPORATION

*134. SHRI M. VALIULLA: Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a note published in the "Hindu" of Madras on the 25th June, 1957 under the heading "Damo-dor Valley Corporation" regarding the inability pleaded by the Government of West Bengal to take steps against the Chairman of the Damodar Valley Corporation on the ground that the Damodar Valley Corporation Act was a Central Act; and

(b) whether the Union Government propose to take steps against the Chairman of the Damodar Valley Corporation on charges of corruption; and if not, why not?

THE MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (SHRI S. K. PATIL) : (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir. On the facts before them, the Government feel that the charges are lacking in substance.

SHRI M. VALIULLA: Was there any enquiry made into those charges and if so, by whom.

SHRI S. K. PATIL: An enquiry was made departmentally. I personally looked into the matter and whatever material was available was put before me. On the basis of that, I came to the conclusion that the charges lacked in substance.

SHRI M. VALIULLA: Were not there enough charges to take action against the officer. There was an allegation that he travelled in a particular way and claimed higher charges.

SHRI S. K. PATIL: There were a number of charges in the newspaper columns and we took even them and went into them thoroughly. Even they utterly lacked in substance.

SHRI M. VALIULLA: Wasn't there an allegation that he travelled in the Tata Airlines and claimed 1-1/3 fare.

SHRI S. K. PATIL: I have replied to that in the other House and have also made an explanation. There was no substance in that. This is a thing which is normally done by the P.A. and when he detected the mistake, it was remedied. Surely that is not a mistak*.

SHRI SONUSING DHANSING PATIL: Is the Chairman an official or a non-official?

SHRI S. K. PATIL: He is the Chairman of the Corporation appointed by Government.

रेडियो सक्रिय आइसोटोपों की सहायता से खेती पर गवेषणा

*१३५. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अब तक रेडियो सक्रिय आइसोटोपों की सहायता से खेती करने की विधि पर कहां तक गवेषणा हो चुकी है और यह कब तक पूर्ण हो जायेगी ;

(ख) इस प्रणाली से किस प्रकार लाभ होने की सम्भावना है ?

†[RESEARCH ON FARMING WITH THE HELP OF RADIO-ACTIVE ISOTOPES

*135. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the extent of research so far done on the method of farming with the help of radio-aetive isotopes and the time by which this research is likely to be completed; and

(b) in what way this method is expected to be useful?]

सहकारमंत्री (डा० पी० एस० देशमुख): (क) और (ख). सभा की टेबिल पर एक विवरण रख दिया गया है ।

विवरण

(क) आजकल कृषि अनुसन्धान में रेडियो-सक्रिय आइसोटोपों का इस्तेमाल भारतीय कृषि अनुसन्धानशाला, नई दिल्ली में, किया जा रहा है । यह कार्य अभी हाल ही में शुरू किया गया है । पूरे सामान वाली एक प्रयोगशाला भारतीय कृषि अनुसन्धानशाला में प्रयोग करने के लिए खोली गई है और अन्य भूमि-उर्वरक समस्याओं पर जो देश के कृषि विकास के सम्बन्ध में तुरंत व्यवहारिक महत्व रखते हैं, काम किया जा रहा है । फसलों की उत्तम किस्में पैदा करने के लिए और फसलों को रोगों और कीटाणुओं से बचाने के लिए, इसी ही अनुसन्धान-शाला में रेडियेशन जेनेटिक्स (radiation genetics) का कार्य हाल ही में आरम्भ कर दिया गया है । इस अध्ययन के द्वारा कई आवश्यक नतीजे मिले हैं । रेडियो फास्फोरस के इस्तेमाल से फसल के उत्पादन के सम्बन्ध में भूमि की फास्फोरस उर्वरकता का अन्दाजा लगाया है और यह मालूम हुआ है कि हमारी भूमियों में कम से कम ५० से ६० प्रतिशत तक फास्फोरस की कमी होती है । एक जल्दी होने वाला भूमि परीक्षण फास्फोरस पता लगाने के लिए निकाला गया है । जिसकी मदद से किसानों को फास्फेटिक उर्वरकों के इस्तेमाल के सम्बन्ध में उनके अपने खेतों की मिट्टी के नमूने का परीक्षण करने के बाद, सिफारिश की जा सकेगी । एक बिना बाल वाली किस्म से एक बाल वाली किस्म का गेहूं पैदा किया गया है ।

कृषि अनुसन्धान में रेडियो आइसोटोपी का इस्तेमाल एक दीर्घ कालीन योजना होगी और यह कहना भी मुमकिन नहीं है कि यह कब पूरी होगी ।

(ख) कृषि अनुसन्धान में रेडियो आइसो-टोपों का इस्तेमाल खेती के तरीकों या फसल उत्पादन में अप्रत्यक्ष रूप से सहायता करेगा । जरूरत की कठिन समस्याओं को आसानी से सुलझाने के लिए वैज्ञानिकों के हाथों में यह एक नया और बहुत शक्तिशाली औजार है ।

†[THE MINISTER OF CO-OPERATION (DR. P. S. DESHMUKH): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the Sabha.

STATEMENT

(a) Use of radio-aetive" isotopes in agricultural research is at present being made at the Indian Agricultural Research Institute, New Delhi. This work has been started only recently. A fully equipped laboratory to carry out experiments has been established at the Indian Aricultural Research Institute and work is underway on a number of soil-fertiliser problems of immediate practical importance to the country's agricultural development. Lately at the same Institute work has also been taken up in radiation genetics for production of better varieties of crops and foi protection of crops against diseases and pests. A number of important results have been achieved already through this study. Utilising radio-phosphorus, an assessment of the phosphorus fertility status of our soils in respect of crop production has been made and it has been shown that at least 50-60 per cent of our soils are deficient in phosphorus. A quick soil test for phosphorus has been evolved which will help in recommending phosphatic

†English translation.

fertilisers to be applied by cultivators to crops after soil samples from his fields have been analysed. An awned variety of wheat has been produced from an awnless one.

Use of radio-isotopes in agricultural research will be a long term project and it is not possible to say when it will be completed.

(b) The usefulness of ratlio-isotopes in agricultural research will indirectly help the method .of farming or crop production. It is a new and very powerful tool in the hands of scientists to solve intricate problems of importance easily.]

श्री नवाब सिंह चौहान : इस सम्बन्ध में जो परीक्षण किया गया है उसका नतीजा क्या निकला है ? क्या इससे कुछ पैदावार बढ़ी है ?

डा० पी० एस० देशमुख : अभी पैदावार खास तौर से बढ़ी नहीं है, लेकिन बढ़ने की संभावना है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : कब तक आशा करें कि यह जो परीक्षण हो रहा है समाप्त हो जायगा और इसका अंतिम परिणाम मालूम हो जायेगा ?

डा० पी० एस० देशमुख : यह परीक्षण बहुत काफी चीजों के बारे में होगा । किस बारे में अभी क्या यश मिला है, यह नहीं कह जा सकता । लेकिन आशा है कि जल्द ही इससे कुछ अच्छा नतीजा चन्द चीजों के बारे में निकलेगा ।

श्री नवाब सिंह चौहान : किन किन स्थानों पर इसका परीक्षण किया जा रहा है ?

डा० पी० एस० देशमुख : आई० ए० आर० आई० में । इसके अलावा एक कमेटी अप्वाइंट की गई है जिसकी अक्तूबर में मीटिंग होने वाली है । इसके और जो उपयोग हैं उनकी तरफ भी ध्यान दिया जायगा ।

श्री बी० बी० शर्मा : इस परीक्षण से क्या साधारण जनता को कुछ फायदा होगा ?

डा० पी० एस० देशमुख : जी हां, जरूर होगा, क्योंकि यह अनुमान लगाया गया है कि फास्फोरस डेफिशिएंसी स्वायल में है और जल्दी से और तेजी के साथ स्वायल अनालेसिस का इन्तजाम हो रहा है । इसके बाद काफी छोटे किसानों को फायदा होगा ।

श्री बी० बी० शर्मा : क्या इस परीक्षण का प्रयोग साधारणतया एक गरीब किसान कर सकेगा ?

डा० पी० एस० देशमुख : प्रयोग करने की कोई बात नहीं है । हम उसे ऐसी चीज बतलायेंगे जिससे छोटे से छोटा आदमी भी फायदा उठा सके ।

SHRI TRILOCHAN DUTTA: Would the method be economic considering the cost involved and the increased production?

DR. P. S. DESHMUKH: This is an experiment by which we have discovered the deficiency of phosphorous. If we can give the necessary amount of chemicals or phosphorous in chemical form, it would be possible for even the smallest farmer to benefit.

गिर बनों के शेरों को उत्तर प्रदेश में चकिया के जंगलों में भेजा जाना

*१३६. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री खाद्य तथा कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) के १९५६-५७ के वार्षिक प्रतिवेदन के पृष्ठ ३० के पैरा ९.३ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इंडियन बोर्ड आफ वाइल्ड लाइफ के निर्णय के अनुसार गिर बनों के शेरों को उत्तर प्रदेश के चकिया जंगलों में कब भेजा जायगा ; और

(ख) इन शेरों की कुल संख्या क्या है और वह कितने जत्थों में भेजे जायेंगे ?